जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 299 | प्रभात | चूरू, बुधवार 25 फरवरी, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

भाजपा का बंगाल की संस्कृति से जुड़ने का प्रयास, इस बार सफल हो सकता है

प्र.मंत्री मोदी की, "जय माँ काली" का उद्घोष करके बंगाल के "ईथॉस" से जुड़ने की कोशिश कामयाब होती नज़र आ रही है

- अब तक कई कोशिशों के बावजूद भाजपा व मोदी, बाहर का होने की छाप को नहीं धो पाए थे, बंगाल में।
- छोटी-छोटी त्रुटियाँ, जैसे, मोदी जी द्वारा रामकृष्ण परमहंस को स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहना, काफी खला बंगाल के निवासियों को, क्योंकि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को भगवान स्वरूप माना जाता है तथा अन्य स्वामी, जैसे स्वामी विवेकानंद आदि उनके शिष्य थे।
- इसी प्रकार, प्र.मंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय को "बंकिम दा" कह कर संबोधित करने पर भी बंगाली निवासी कुछ अटपटा सा महसूस कर रहे थे। इसी तरह प्र.मंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी मातंगिनी हाजरा को आसामवासी बताना भी बंगालियों की दृष्टि से महान त्रुटि थी।
- पर, अब प्र.मंत्री मोदी द्वारा, बंगाल की जनता का "जॉय माँ काली" कहकर, अभिवादन करने को सभी सराहनीय व सफल प्रयास बता रहे हैं और इससे प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा, बंगाल में बाहरी होने की छाप धो सकेंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए भाजपा की रणनीतिक पुनर्विचार और बदली हुई कार्यशैली, जिसका प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जॉय माँ काली" के आ ान से हुआ, महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पिछले 2021 के चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी ने टैगोर जैसी दाढ़ी रखी थी, लेकिन "जय श्री राम" नारे के नवाचार के माध्यम से राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक भावना से जुड़ने में वे सफल नहीं हो पाए थे। हाल के सप्ताहों में भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं ने मोदी और भाजपा नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे बंगाल की सोच और भावनाओं से तालमेल बिठाने में असफल हैं। उदाहरण के तौर पर, टीएमसी ने रामकृष्ण परमहंस को "स्वामी रामकृष्ण परमहंस" कहकर संबोधित करने पर मोदी की आलोचना की। एक बंगाल पर्यवेक्षक ने कहा, "उन्हें पता होना चाहिए था कि परमहंस को बंगाल में भगवान के रूप में पूजा जाता है, और स्वामी (जैसे स्वामी विवेकानन्द) उनके शिष्य थे।"

कुछ दिन पहले, टीएमसी सांसदों ने लोकसभा में तब काफी हंगामा किया था, जब प्रधानमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को "बंकिम दा" कहकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल अब बनेगा "केरलम्"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- केरल विधानसभा ने राज्य का अधिकारिक रूप से नाम बदलने के लिए विधेयक पारित कर दिया है।

नई दिल्ली, 24 फरवरी, केरल विधानसभा ने आधिकारिक अभिलेखों में राज्य का नाम बदलने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है।

राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केरल का नाम बदलकर "केरलम" करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। राज्य विधानसभा पहले ही आधिकारिक अभिलेखों में नाम परिवर्तन के लिए प्रस्ताव पारित कर चुकी है।

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, केन्द्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति के बाद, भारत के राष्ट्रपति "केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026" को भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत राज्य विधानमंडल के विचारार्थ केरल विधानसभा को भेजेंगे।

केरल राज्य विधानमंडल के विचार प्राप्त होने के बाद, केंद्र सरकार आगे की कार्रवाई करेगी और संसद में "केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026" प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस की "इकॉनमी" क्या "डैथ ज़ोन" में पहुँच गई है?

माउण्ट एवरेस्ट की चढ़ाई में 25,000 फीट के बाद एक भूखण्ड आता है जिसे "डैथ ज़ोन" कहा जाता है, जहाँ सर्वाधिक पर्वतारोहियों की मृत्यु होती है

- "डैथ ज़ोन" में मानव शरीर, जितनी ऊर्जा उपयोग में लाता है, उतना उसका रिप्लेसमैंट संभव नहीं हो पाता, अतः, पर्वतारोही अपनी अपनी जान गवां बैठता है, अगर तुरंत अपनी रिहाइश का स्थान नहीं बदलता।
- यह ही स्थिति रूस की इकॉनमी की हो रही है, जानकार विशेषज्ञों के अनुसार।
- यूक्रेन युद्ध के कारण सेना की जरूरतों को सबसे ऊपर रखा है रूस ने तथा अधिकतम औद्योगिक उत्पादन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सेना की जरूरतें पूरी करने में लगा है और साधारण रोजमर्रा की आवश्यकताएँ पीछे से पीछे खिसकती जा रही हैं।
- जितनी देर रूस की इकॉनमी, इस "डैथ ज़ोन" में रहेगी, उतना ही अधिक मुश्किल हो जाएगा, इस "डैथ ज़ोन" से बाहर निकलना।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। रूसी अर्थव्यवस्था उस स्थिति में पहुंच गई है, जिसे ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ाई की भाषा में "डैथ ज़ोन" कहा जाता है।

एवरेस्ट की चोटी पर जाते समय 25,000 फीट से ऊपर का इलाका आता है, जहां चोटी पर पहुंचने की कोशिश के दौरान सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। इस ऊंचाई पर मानव शरीर जितनी ऊर्जा खर्च करता है, उतनी उसकी भरपाई नहीं कर पाता। जब तक व्यक्ति असामान्य ऊँचाई को जल्दी से नहीं छोड़ता, मृत्यु लगभग तय हो जाती है।

लंदन से निकलने वाली एक प्रसिद्ध और सम्मानित साप्ताहिक पत्रिका, द लंदन इकॉनमिस्ट, ने एक विशेषज्ञ लेख प्रकाशित किया है। इसमें तर्क दिया गया है कि पिछले चार वर्षों से यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान रूसी अर्थव्यवस्था ऐसी स्थिति में पहुंच गई है, जहां वह युद्ध के लिए जरुरत से ज्यादा संसाधन खर्च कर रही है, जो उसकी असली क्षमता से भी अधिक हैं।

अर्थ व्यवस्था अपने उत्पादन क्षेत्रों को कमजोर कर रही है और वहां से संसाधन खींचकर रक्षा उद्योगों में लगा रही है, ऐसे सामान बनाने के लिए, जो तुरंत युद्ध में नष्ट हो जाते हैं। अतः यह ऐसा है, जैसे, अर्थव्यवस्था उत्पादन, आय और विकास के अच्छे चक्र में आने के बजाय, तेज़ी से खुद को ही खत्म करने की दिशा में काम कर रही है।

यह आकलन वॉशिंगटन के कार्नेगी रुस यूरेशिया सैंटर की एलेक्ज़ेंड्रा प्रोकोपेंको का है। उनका कहना है कि रूसी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या "नकारात्मक संतुलन" है, यानी वह खुद को किसी तरह संभाले हुए है, लेकिन साथ ही अपने भविष्य की क्षमता को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। प्रोकोपेंको के विश्लेषण के अनुसार, रूसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"जय श्री राम" से भाजपा "जय माँ काली" पर शिफ्ट हुई बंगाल में

- भाजपा का "जय श्री राम" के मंत्र की प्रतिध्वनि उत्तर व पश्चिम भारत में तो खूब लोकप्रिय रही है, पर, बंगाल के लिए "जय माँ काली" के नारे की "इमोशनल अपील" (भावनात्मक आकर्षण) को जनप्रिय माना गया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। भारतीय राजनीति की जटिल बुनावट में सांस्कृतिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुनी गई कुछ कथाएँ सबसे जीवंत और अक्सर सबसे विवादित, धाराओं में से एक रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव अभियान में हाल ही में "जय माँ काली" का उद्घोष करना भाजपा के संदेश में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

यह परिवर्तन न केवल पहले के "जय श्री राम" नारे, जो मुख्यतः उत्तर और पश्चिमी राज्यों में अधिक प्रभावी रहा, से दूरी बनाता है, बल्कि यह उस व्यापक रणनीति को भी दर्शाता है, जिसके तहत भाजपा पश्चिम बंगाल में लंबे समय से उस पर लगे "बाहरी" होने के ठप्पे को हटाने का प्रयास कर रही है।

माँ काली और माँ दुर्गा का आ ान बंगाल की सामूहिक चेतना में गहराई से गूंजता रहता है।

ये देवियाँ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं, और, शक्ति और सहनशीलता का प्रतीक बनकर, विपरीत परिस्थितियों के विरुद्ध किले की तरह खड़ी रहती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बंगाल के मतदाताओं को लिखे गए पत्रों में प्रयुक्त भाषा इस बात को रेखांकित करती है कि भाजपा स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में स्वयं को स्थापित करने का गंभीर प्रयास कर रही है, ताकि उन मतदाताओं के बीच अपनापन पैदा किया जा सके, जो पहले पार्टी को अलगाव की दृष्टि से देखते रहे होंगे।

भाजपा नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कोलकाता में महिला मोर्चा को संबोधित करते हुए इस सांस्कृतिक सामंजस्य पर और विस्तार से प्रकाश डाला।

महिलाओं से "अपने भीतर की दुर्गा शक्ति को जगाने" का आ ान करते हुए, गुप्ता ने न केवल महिला सशक्तिकरण के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया, बल्कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष में देवियों के गहरे निहित महत्व को भी रेखांकित किया।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी की नागरिकता रद्द करेगा कैनडा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। कैनडा सरकार ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की 26 फरवरी को होने वाली भारत यात्रा से पहले उठाया गया है, क्योंकि ओटावा नई दिल्ली के साथ संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है, जो पूर्व प्रधानमंत्री जुस्टिन ट्रूडो के

- कैनडा के प्र.मंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से पूर्व उठाए जा रहे इस कदम को दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसआईआर जल्दी कराने के लिए सिविल जजों को भी तैनात कर सकते हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट को यह निर्देश दिया और कहा कि सिविल जज तीन साल के अनुभवी होने चाहिए

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार में भरोसे की भारी कमी है। कोर्ट ने इससे पहले 20 फरवरी को एसआईआर के संचालन के लिए जिला जज, अतिरिक्त जिला जज व सेवानिवृत्त जजों की तैनाती का आदेश दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जजों की तैनाती का आदेश भी दिया है, ताकि एसआईआर कवायद में तेजी लाई जा सके।
- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर उड़ीसा व झारखंड़ के सेवारत या सेवानिवृत जजों की मदद ली जा सकती है। इनकी यात्रा, रहने व खाने का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संशोधित मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी, उसके बाद पूरक सूचियाँ जारी की जा सकती हैं तथा पूरक सूची में शामिल मतदाताओं को 28 फरवरी को जारी की गईं संशोधित मतदाता सूची में शामिल माना जाएगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया कि कलकत्ता हाई कोर्ट पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पैशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) में तेजी लाने के लिए कम से कम तीन साल के अनुभव वाले सिविल जजों को भी तैनात कर सकता है।

अदालत ने कहा कि इलैक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया (ईसीआई) और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच भरोसे की कमी है। कोर्ट ने 20 फरवरी को एसआईआर के सुचारु संचालन के लिए जिला जज और अतिरिक्त जिला जज, यहां तक कि सेवानिवृत्त जजों की भी तैनाती का आदेश दिया था।

इसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट को एक नोट भेजकर बताया कि यह काम बहुत बड़ा है, 250 न्यायिक अधिकारियों को लगभग 50 लाख मतदाताओं के मामलों का फैसला करना है, जो "लॉजिकल डिस्क्रिपैंसी" और "अनमैप्ड" श्रेणी में आते हैं।

अनुमान लगाया गया कि यदि हर जज रोज 250 मामलों का निपटारा करे, तो भी इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने में 80 दिन लगेंगे।

इसी को देखते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की पीठ ने आज सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दे दी, ताकि काम युद्ध स्तर पर किया जा सके। पीठ ने कहा, "इस तथ्य और समय की कमी को देखते हुए हमें लगता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने द्रमुक से 41 सीटें मांगीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। कांग्रेस के महासचिव के.सी वेणुगोपाल द्वारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से मुलाकात के एक दिन बाद, डीएमके (द्रमुक) संसदीय दल की नेता कनिमोई करुणानिधि ने सोमवार को अपने आवास पर कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडनकर के साथ सीट बंटवारे को लेकर आगे की चर्चा की।

हालांकि किसी भी नेता ने अधिकारिक रूप से बातचीत के विवरण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने द्रमुक को राज्यसभा की एक सीट के अधूरे वादे की याद दिलाई है, और ऐसी संभावना है कि द्रमुक इस मांग को मान लेगी।

- कांग्रेस का कहना है, उसने 2016 के विधानसभा चुनाव में 41 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर, द्रमुक उसे वही 25 सीटें देना चाहती है, जो कांग्रेस को 2021 में दी गईं थीं।

लेकिन जहां कांग्रेस 41 विधानसभा सीटों की मांग कर रही है, जिन पर वह 2016 में चुनाव लड़ी थी, वहीं द्रमुक 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को दी गई 25 सीटों के प्रस्ताव पर अड़ी हुई है।

शीर्ष सूत्रों का कहना है कि द्रमुक कांग्रेस को दो या तीन अतिरिक्त सीटों से अधिक देने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। एक सूत्र ने कहा, "अधिकतम 26 या 27, लेकिन इससे ज्यादा देना हमारे लिए संभव नहीं है।"

रूस से 40 फाइटर जैट खरीद सकता है भारत

इस डील के मार्फत भारत यह संकेत देना चाहता है कि उसे ट्रंप की परवाह नहीं है

- भारत सरकार पाँचवी पीढ़ी के सुखोई विमान, सू-57 खरीदने पर विचार कर रही है। आज के अत्याधुनिक दौर में ऐसे फाइटर जैट पसंद किए जा रहे हैं, जिनकी मारक क्षमता तो तेज हो ही, साथ ही वे रडार से बचने की क्षमता भी रखते हों।
- सुखोई की वेबसाइट के अनुसार, पाँचवी पीढ़ी के सू-57 विमान हवा से हवा में और हवा से ज़मीन पर सटीक प्रहार के साथ रडार से भी बच सकते हैं।
- ज्ञातव्य है कि चीन पाँचवी पीढ़ी के जे-20 फाइटर जैट विकसित कर चुका है और जल्दी ही ये विमान वह पाकिस्तान को दे देगा, इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि वह भी अपनी एयर फोर्स की ताकत बढ़ाए। भारत खुद भी पाँचवी पीढ़ी के फाइटर जैट विकसित कर रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष से भी कम समय बाद, रक्षा गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें तेज हैं कि भारत वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए पांचवीं पीढ़ी के रुसी लड़ाकू विमान सुखोई एसयू-57 की खरीद पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि अंतिम निर्णय लिया जाता है तो भारत ऐसे 40 विमानों का ऑर्डर दे सकता है।

हवाई युद्ध अब ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां असली अंतर लड़ाकू क्षमता से अधिक पहचान (डिटेक्शन) की क्षमता से तय होगा। सुखोई एस यू-57 जैसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान उन्नत एवं गुप्त (स्टैल्थ) क्षमताओं से लैस होते हैं, जिससे दुश्मन के लिए इन्हें पहचान पाना कठिन हो जाता है।

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में कई स्टैल्थ विशेषताएं होती हैं, जैसे रडार से बचने के लिए विशेष आकार का ढांचा। इनका ढांचा रडार-शोषक (रडार-एब्जॉर्बेंट) सामग्री से बना होता है। ये उन्नत विमान 'लो ऑब्जर्वेबिलिटी' के लिए विशेष हथियारों, उन्नत सेंसर फ्यूज़न और सुपरक्रूज़ क्षमताओं से लैस होते हैं।

सुखोई की वेबसाइट के अनुसार, एसयू-57 में कई विशिष्ट विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, "पांचवीं पीढ़ी का यह विमान एक मूल रूप से नए, गहराई से एकीकृत एवियोनिक्स कॉम्प्लेक्स से सुसज्जित है, जिसमें युद्ध उपयोग और चालक दल के बौद्धिक सहयोग देने की उच्चस्तरीय ऑटोमैटिक व्यवस्था है।

विमान के ऑन-बोर्ड उपकरण इसे न केवल स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देते हैं, बल्कि ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम और टास्क फोर्स के हिस्से के रूप में किसी भी समय विशेष पर डेटा का आदान-प्रदान करने में भी सक्षम बनाते हैं।"

सुखोई वेबसाइट कहती है, "यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीनी सतह तक मार करने वाले विभिन्न प्रकार के हथियारों का उपयोग कर सकता है, जिससे यह लड़ाकू और स्ट्राइक, दोनों प्रकार के मिशन पूरा कर सकता है। रडार, इंफ्रारेड और दृश्य वेव-लैंग्थ में कम दृश्यता के कारण एसयू-57 गुप्त कार्रवाई करने में सक्षम है।"

सुखोई वेबसाइट के अनुसार, एसयू-57 की सहायक पावर यूनिट उच्च तैनाती स्वायत्तता प्रदान करती है, जमीनी परीक्षण के दौरान ईंधन की खपत कम करती है और मुख्य इंजनों की आयु बढ़ाती है। सुखोई ने कहा, "ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन एक्सट्रैक्शन यूनिट का उपयोग भी विमान के संचालन की उच्च स्वायत्तता सुनिश्चित करता है।

जनरेटर-किस्म की न्यूट्रल गैस प्रणाली के रूप में बने विस्फोट-रोधी ईंधन टैंक सिस्टम का उपयोग, अन्य उपायों के साथ मिलकर, विमान की उच्च स्तर की युद्धक जीवटता सुनिश्चित करता है।"

पिछले वर्ष मई में, भारत ने अप्रैल में हुये पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिन्दूर को अंजाम दिया था। इस अभियान के दौरान, पाकिस्तान वायुसेना के साथ हुए हवाई संघर्षों ने भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान की भविष्य की तैयारियों के संबंध में नई अन्तर्दृष्टि विकसित की। एसयू-57 पर हो रही चर्चाओं को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान का चिर सहयोगी चीन पांचवीं पीढ़ी के जे-20 स्टैल्थ लड़ाकू विमान विकसित कर चुका है और ये जल्द ही पाकिस्तान को भी मिल सकते हैं। इसलिए भारत को भी अपनी वायु शक्ति को उन्नत करना आवश्यक माना जा रहा है।

दरअसल, भारत स्वयं भी अपनी पांचवीं पीढ़ी के स्टैल्थ लड़ाकू विमान एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) विकसित कर रहा है। इस विमान की पहली उड़ान 2028 या 2029 में किसी भी समय होने की उम्मीद है और इसके लगभग 2035 तक वायुसेना में शामिल होने की संभावना है।

मैकडॉनल्ड्स के एमडी, अभिनेता रणवीर व कार्तिक आर्यन को नोटिस

जयपुर, 24 फरवरी। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने शहर के गौरव टावर स्थित मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में हानिकारक तेल में खाद्य सामग्री बनाने से जुड़े मामले में मैकडॉनल्ड्स के एमडी राजीव रंजन, ब्रांड एम्बेसडर फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह व कार्तिक आर्यन सहित, प्रबंधक संभव भारद्वाज को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने इनसे 23 मार्च तक जवाब देने के लिए कहा है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा ने यह आदेश गौरव तिवाड़ी के परिवाद पर दिए।

- जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-द्वितीय ने दूषित तेल में खाद्य सामग्री बनाने पर 23 मार्च तक जवाब मांगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)